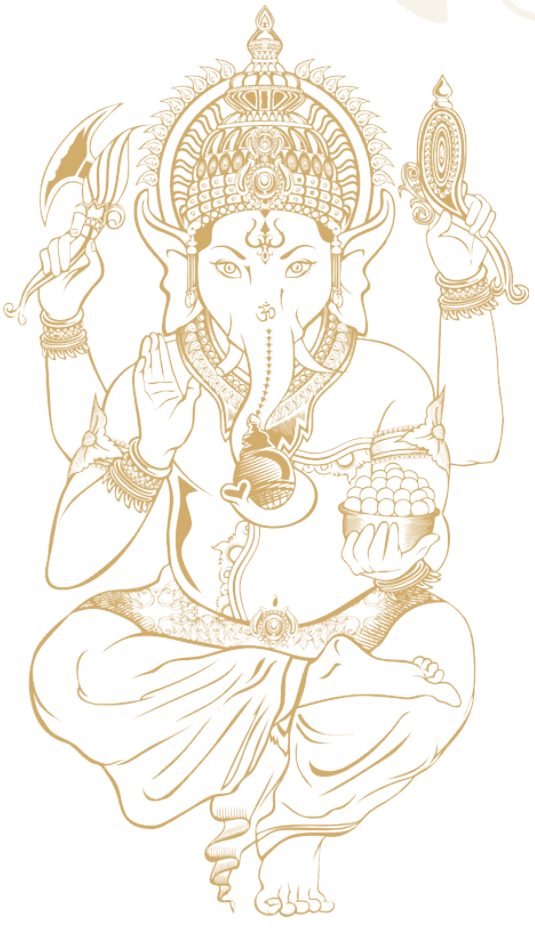

Mr. Rajat Gupta

Ms.Kendra Bansal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119977602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/01/1997	जन्म तिथि	27/07/2000
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:26:00	जन्म समय	14:15:00 घंटे
घटी 38:22:55	जन्म समय(घटी)	21:44:14 घटी
India	देश	India
Moradabad	स्थान	Moradabad
28:50:00 उत्तर	अक्षांश	28:50:00 उत्तर
78:45:00 पूर्व	रेखांश	78:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:00	स्थानिक संस्कार	-00:15:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:50	सूर्योदय	05:33:18
17:52:05	सूर्यास्त	19:09:14
23:49:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:39

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 3मा 18दि		17:21:32	कन्या	लग्न	वृश्चि	02:37:34	चन्द्र 3वर्ष 7मा 5दि	
गुरु		17:02:05	मक	सूर्य	कर्क	10:45:28	राहु	
20/05/2016		04:11:19	तुला	चंद्र	वृष	18:32:01	04/03/2011	
20/05/2032		11:51:49	कन्या	मंगल	कर्क	03:05:42	03/03/2029	
गुरु	08/07/2018	23:18:40	धनु	बुध	मिथु	21:03:57	राहु	14/11/2013
शनि	19/01/2021	08:18:53	मक	गुरु	वृष	11:18:43	गुरु	08/04/2016
बुध	27/04/2023	01:49:29	मक	शुक्र	कर्क	23:23:23	शनि	13/02/2019
केतु	01/04/2024	09:39:48	मीन	शनि	वृष	05:13:00	बुध	02/09/2021
शुक्र	01/12/2026	06:01:13	कन्या	राहु	कर्क	00:44:40	केतु	20/09/2022
सूर्य	20/09/2027	06:01:13	मीन	केतु	मक	00:44:40	शुक्र	20/09/2025
चन्द्र	19/01/2029	11:10:09	मक	हर्ष व	मक	25:34:10	सूर्य	15/08/2026
मंगल	26/12/2029	04:07:47	मक	नेप व	मक	11:20:01	चन्द्र	14/02/2028
राहु	20/05/2032	11:23:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:27:02	मंगल	03/03/2029

लग्न-चलित

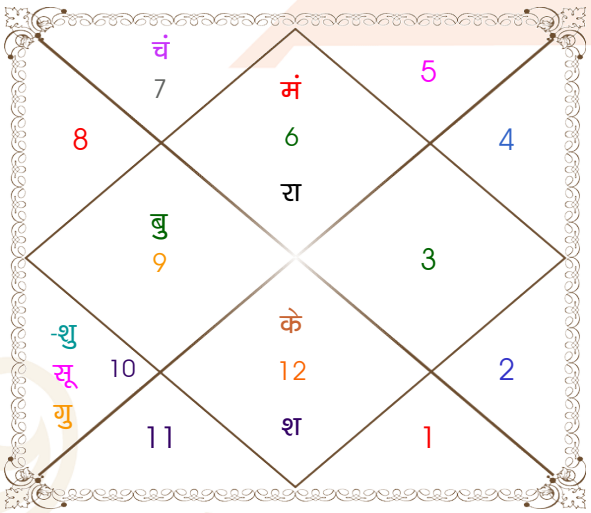

लग्न-चलित

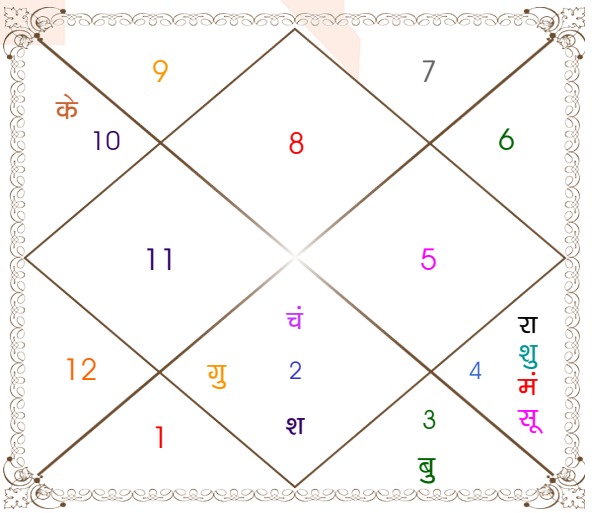

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ंत्रंज ळनचजं का वर्ग मृग है तथा डेण्ड्ढमदकतं ठंदेस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ंत्रंज ळनचजं और डेण्ड्ढमदकतं ठंदेस का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ंत्रंज ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण ंत्रंज ळनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ड्ढमदकतं ठंदेस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डतण ंत्रंज ळनचजं तथा डेण्ड्ढमदकतं ठंदेस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।